

सर्वोच्च संस्था का संदेश

1 जनवरी 2011

दुनिया के बहाईयों को,

परम प्रिय मित्रों,

अन्तर्दृष्टि व स्पष्ट दूरदर्शिता के साथ, अच्छी पकड़ और आत्मविश्वास के साथ, दिव्य योजना की प्रगति पर गहन विचार विमर्श के लिए महाद्वीपीय सलाहकारगण पवित्र भूमि में गत 5 दिनों से एकत्र हैं। इस सम्मेलन के समापन की घड़ियाँ जिस आनंद और आश्चर्य से भर उठी हैं, उसका कारण है, आपके द्वारा किये गए उन विभिन्न पराक्रम एवं कार्यों का सजीव उल्लेख, जिसकी वजह से पाँच वर्षीय योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति आश्चर्यजनक रूप से, एक वर्ष पहले ही प्राप्त कर ली गई है। इन शीघ्र बीत जाने वाले कुछ दिनों में आप लोगों के प्रति जो प्रेम प्रकट किया गया है, उसे शब्दों में अभिव्यक्त कर पाना कठिन है। हम ईश्वर का गुणगान करते हैं कि उसने इतने कुशल समुदाय को खड़ा किया है, और उसे धन्यवाद देते हैं कि उसने आपकी अद्भुत क्षमताओं को उजागर किया है। ये आप हैं, जो व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से लोगों के सामने धर्म की सच्चाई प्रस्तुत कर रहे हैं और लोगों को 'आशीर्वादित सौंदर्य (बहाउल्लाह)' को पहचानने में सहायता प्रदान कर रहे हैं। ये आप हैं, जो जहाँ गृहणशीलता पाते हैं, वहाँ हजारों की संख्या में अध्ययन-वृत कक्षाओं (स्टडी सर्कल) के 'सह-शिक्षक (ट्यूटर)' के रूप में सेवा दे रहे हैं। ये आप हैं, जो स्व का विचार किये बिना बच्चों को आध्यात्मिक शिक्षा दे रहे हैं और किशोरों को सहृदयपूर्ण साथ दे रहे हैं। ये आप हैं, जो कि लोगों के घर जाकर एवं लोगों को अपने घर आमंत्रित करके उन आध्यात्मिक सम्बन्धों को बना रहे हैं जिससे एक समुदाय की भावनाओं को बढ़ावा मिलता है। ये आप हैं जो कि, जिनका, जब धर्म की संस्थाओं एवं एजेंसियों में सेवा देने के लिए आह्वान किया जाता है तो दूसरों का साथ देने में आगे बढ़ते हैं और उनकी उपलब्धियों पर प्रसन्नचित्त होते हैं। और ये हम सब हैं, जिनकी इस उद्यम में भागीदारी कुछ भी रही हो, बहाउल्लाह द्वारा कल्पित मानवता के रूपांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कार्य कर रहे हैं और आतुरता से इंतजार कर रहे हैं, प्रयास कर रहे हैं और याचना कर रहे हैं।

अद्भुतता से भरपूर एक नया पंचवर्षीय क्षितिज बाहें फैलाए खड़ा है। इस रिज़वान से प्रारम्भ होने वाली योजना की मुख्य विशेषताओं को हमने सलाहकारों के सम्मेलन को सम्बोधित पत्र में, इसके प्रारम्भिक सत्र के दौरान प्रस्तुत किया और उसी दिन राष्ट्रीय

आध्यात्मिक सभाओं को भेज दिया गया है। आशा है कि आप उसका, रिज़वान 2010 के सन्देश के साथ सभी प्रकार के आयोजनों में गहनता से अध्ययन करेंगे -- चाहे ये राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या समूह (क्लस्टर) के स्तर पर हो, चाहे स्थानीय समुदायों में हो या आस-पास के क्षेत्रों में या गाँव में या घर में। हमें स्पष्ट है कि जिस योजना में आप भागीदार बनते हैं उसके बारे में परामर्श के द्वारा आपकी समझ गहन होगी और आध्यात्मिक शक्तियों की सहायता के बारे में सचेत होते हुए, आप इस वैश्विक उद्यम को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनाने का संकल्प लेंगे और मानव-परिवार की भलाई के लिए भी आप उसी प्रकार व्यस्त रहेंगे, जिस प्रकार अपने सर्वाधिक प्रिय परिजनों के लिए रहते हैं। हमें इस बात से अत्यधिक प्रसन्नता है कि बहाई समुदाय में इतनी अधिक आत्माएँ स्वयं को विशिष्ट बनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन इन सबसे अधिक हमें प्रसन्नता इस स्पष्ट ज्ञान से है कि अगले पाँच वर्षों में उन युवाओं और वयस्कों, पुरुषों और महिलाओं के द्वारा विजय प्राप्त की जायेगी जो अभी बहाउल्लाह के आगमन से पूर्णतः अनभिज्ञ हैं और उसके धर्म की 'समाज निर्माण शक्ति' से और भी कम परिचित हैं। आपके पास अनुभव की भट्टी में तपा हुआ एक शक्तिशाली उपकरण है, जिससे मानव के जनसमूह को अपनी नियति को स्वयं नियंत्रित करने के लिए आध्यात्मिक रूप से सशक्त किया जा सकता है। आप अच्छी तरह जानते हैं और आपने बहाउल्लाह के आह्वान को स्पष्ट सुना है "मैं बुद्धिमत्ता का सूर्य हूँ और ज्ञान का महासागर। मैं शक्तिहीन को प्रोत्साहित करता हूँ और मृत को पुनर्जीवित। वह मार्गदर्शक प्रकाश हूँ जो पथ को प्रकाशित करता है। मैं सर्वशक्तिशाली की भुजा पर स्थित शाही बाज हूँ। मैं प्रत्येक घायली पंछी के पंखों को फैलाकर उसे ऊँची उड़ान भराता हूँ।"

हमारी चिर प्रार्थनाएँ आप में से प्रत्येक के साथ हैं।

-विश्व न्याय मन्दिर